सरस्वती आरती

जय सरस्वती माता,
मैया जय सरस्वती माता ।
सदगुण वैभव शालिनी,
त्रिभुवन विख्याता ॥
जय जय सरस्वती माता...॥

चन्द्रवदनि पद्मासिनि,
द्युति मंगलकारी ।
सोहे शुभ हंस सवारी,
अतुल तेजधारी ॥
जय जय सरस्वती माता...॥

बाएं कर में वीणा,
दाएं कर माला ।
शीश मुकुट मणि सोहे,
गल मोतियन माला ॥
जय जय सरस्वती माता...॥

देवी शरण जो आए,
उनका उद्धार किया ।
पैठी मंथरा दासी,
रावण संहार किया ॥
जय जय सरस्वती माता...॥

विद्या ज्ञान प्रदायिनि,
ज्ञान प्रकाश भरो ।
मोह अज्ञान और तिमिर का,
जग से नाश करो ॥
जय जय सरस्वती माता...॥

धूप दीप फल मेवा,
माँ स्वीकार करो ।

ज्ञानचक्षु दे माता,
जग निस्तार करो ॥

॥ जय सरस्वती माता...॥

माँ सरस्वती की आरती,
जो कोई जन गावे ।

हितकारी सुखकारी,
ज्ञान भक्ति पावे ॥

जय जय सरस्वती माता...॥

जय सरस्वती माता,
जय जय सरस्वती माता ।

सदगुण वैभव शालिनी,
त्रिभुवन विख्याता ॥

Also Download (Click on the link)

- **सरस्वती चालीसा**
- **श्री सरस्वती वंदना**
- **दुर्गा चालीसा**